NEWS CLIPPING:03.09.2023

HADOTI ADHIKAR

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय व एडीआईएफ के बीच समझौता

हाड़ौती अधिकार

फरीदाबाद, 2 सितम्बर। स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और विद्यार्थियों में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने एलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन (एडीआईएफ) के साथ समझौता किया है। एडीआईएफ भारतीय प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप की एक प्रतिनिधि संस्था है।

समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ मेहा शर्मा और एडीआईएफ के कार्यकारी निदेशक श्री भूपिंदर जीत ने हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर निदेशक (आरएंडडी) डॉ. मनीषा गर्ग, उपनिदेशक (आरएंडडी) डॉ. राजीव साहा, सहभागिता एवं उद्योग संपर्क मामलों की प्रभारी डॉ. रश्मी पोपली, आईपीआर, इनोवेशन और स्टार्टअप व इनक्यूबेशन मामलों के प्रभारी डॉ. संजीव गोयल एवं समन्वयक डॉ. सपना तनेजा तथा एडीआईएफ के सह निदेशक श्री प्रतीक जैन भी उपस्थित थे।

नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर बल देते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित हो रहा है। देश में शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के शुरूआती प्रयास करीब दो दशक पहले शुरू हुए थे, जिसका स्वरूप आज देखने को मिल रहा है।

NEWS CLIPPING:03.09.2023

NAVBHARAT TIMES

जेसी बोस यूनिवर्सिटी का ADIF से समझौता

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने एलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन (ADIF) के साथ समझौता किया है। ADIF भारतीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप की एक प्रतिनिधि संस्था है। यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रफेसर सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में यूनिवर्सिटी की कुलसचिव डॉ. मेहा शर्मा व ADIF के कार्यकारी निदेशक भूपिंदर जीत ने हस्ताक्षर किए। जेसी बोस यूनिवर्सिटी स्टार्टअप के लिए अलग से व्यवस्था कर रही है।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

NEWS CLIPPING:03.09.2023

REPCO NEWS

स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रोत्साहन देने के लिए जे.सी. बोस विश्वविद्यालय तथा एडीआईएफ के बीच समझौता

फरीदाबाद, 2 सितम्बर (रैपको न्यूज़)। स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और विद्यार्थियों में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने एलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन (एडीआईएफ) के साथ समझौता किया है। एडीआईएफ भारतीय प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप की एक प्रतिनिधि संस्था है।

समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ मेहा शर्मा और एडीआईएफ के कार्यकारी निदेशक श्री भूपिंदर जीत ने हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर निदेशक (आरएंडडी) डॉ. मनीषा गर्ग, उपनिदेशक (आरएंडडी) डॉ. राजीव साहा, सहभागिता एवं उद्योग संपर्क मामलों की प्रभारी डॉ. रश्मी पोपली, आईपीआर, इनोवेशन और स्टार्टअप व इनक्यूबेशन मामलों के प्रभारी डॉ. संजीव गोयल एवं समन्वयक डॉ. सपना तनेजा तथा एडीआईएफ के सह निदेशक श्री प्रतीक जैन भी उपस्थित थे।

नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर बल देते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित हो रहा है। देश में शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के शुरूआती प्रयास करीब दो दशक पहले शुरू हुए थे, जिसका स्वरूप आज देखने को मिल रहा है। देश में बेरोजगारी और रोजगार कौशल गंभीर चुनौती है, जिसके समाधान के लिए शैक्षिक पाठ्यक्रम में बाजार की मांग के अनुरूप बदलाव लाने की आवश्यकता है और छात्रों को नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने के योग्य बनाना होगा।

अक्सर देखा गया है कि छात्रों के पास अभिनव विचार होते है, लेकिन उनके पास स्वयं का उद्यम को शुरू करने के लिए आवश्यक जानकारी और ज्ञान का अभाव होता है। इस दिशा में काम करते हुए जे.सी. बोस विश्वविद्यालय द्वारा स्टार्टअप एवं इनक्यूबेटर के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी महज कागजी कार्रवाई न बने अपितु इसके माध्यम से छात्रों के लिए नियमित रूप से कार्यक्रमों का आयोजन किया जाये।

इस अवसर पर चर्चा करते हुए निदेशक (आरएंडडी) डॉ. मनीषा गर्ग ने छात्रों को प्रथम वर्ष से ही स्टार्टअप-संबंधित गतिविधियों में शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इससे उनकी मानसिकता में बदलाव आयेगा और वे केवल नौकरी पर ध्यान केन्द्रित न करते हुए उद्यमिता को भी करियर विकल्प के रूप में स्वीकार करेंगे।

एडीआईएफ के कार्यकारी निदेशक भूपिंदर जीत ने साझेदारी से विश्वविद्यालय को होने वाले लाभों के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि एडीआईएफ विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर में काम करने वाले शुरुआती चरण के स्टार्टअप को अपनी सेवाएं प्रदान करेगा तथा यह सुनिश्चित करेगा कि स्टार्टअप को आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सहयोग मिले। उन्होंने कुलपति को एडीआईएफ द्वारा नियमित रूप से गतिविधियां आयोजित करने का आश्वासन दिया, जिससे छात्रों को शुरुआती चरण के स्टार्टअप में मार्गदर्शन मिलेगा।

इससे पहले डॉ. संजीव गोयल ने साझेदारी के उद्देश्यों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस सहयोग का उद्देश्य छात्रों की स्टार्ट-अप पहलों को सहयोग देने के साथ-साथ विश्वविद्यालय में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाना है।

इस साझेदारी के माध्यम से जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और एडीआईएफ उभरते उद्यमियों को संसाधन, सलाह, क्षमता निर्माण के अवसर और उद्यमशीलता में सफल होने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

NEWS CLIPPING:03.09.2023

PUNJAB KESARI

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय तथा एडीआईएफ के बीच समझौता

- विद्यार्थियों को स्टार्टअप आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन एवं सहयोग देगा एडीआईएफ
- स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रोत्साहन देने का मंसूबा

कुलपति प्रो. एस.के. तोमर की उपस्थिति में समझौते का आदान-प्रदान करते हुए कुलसचिव डॉ मेहा शर्मा और एडीआईएफ के कार्यकारी निदेशक भूपिंदर जीत। (छाया : शिवम शर्मा)

फरीदाबाद, 1 सितम्बर (ब्यूरो): स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और विद्यार्थियों में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने एलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन (एडीआईएफ) के साथ समझौता किया है। एडीआईएफ भारतीय प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप की एक प्रतिनिधि संस्था है।

समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ मेहा शर्मा और एडीआईएफ के कार्यकारी निदेशक भूपिंदर जीत ने हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर निदेशक (आरएंडडी) डॉ. मनीषा गर्ग, उपनिदेशक (आरएंडडी) डॉ. राजीव साहा, सहभागिता एवं उद्योग संपर्क मामलों की प्रभारी डॉ. रश्मी पोपली, आईपीआर, इनोवेशन और स्टार्टअप व इनक्यूबेशन मामलों के प्रभारी डॉ. संजीव गोयल एवं समन्वयक डॉ. सपना तनेजा तथा एडीआईएफ के सह निदेशक प्रतीक जैन भी उपस्थित थे। नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर बल देते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित हो रहा है। देश में शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के शुरूआती प्रयास करीब दो दशक पहले शुरू हुए थे, जिसका स्वरूप आज देखने को मिल रहा है। देश में बेरोजगारी और रोजगार कौशल गंभीर चुनौती है, जिसके समाधान के लिए शैक्षिक पाठ्यक्रम में बाजार की मांग के अनुरूप बदलाव लाने की आवश्यकता है और छात्रों को नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने के योग्य बनाना होगा। अक्सर देखा गया है कि छात्रों के पास अभिनव विचार होते है, लेकिन उनके पास स्वयं का उद्यम को शुरू करने के लिए आवश्यक जानकारी और ज्ञान का अभाव होता है। इस दिशा में काम करते हुए जे.सी. बोस विश्वविद्यालय द्वारा स्टार्टअप एवं इनक्यूबेटर के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी महज कागजी कार्रवाई न बने अपितु इसके माध्यम से छात्रों के लिए नियमित रूप से कार्यक्रमों का आयोजन किया जाये। इस अवसर पर चर्चा करते हुए निदेशक (आरएंडडी) डॉ. मनीषा गर्ग ने छात्रों को प्रथम वर्ष से ही स्टार्टअप संबंधित गतिविधियों में शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि इससे उनकी मानसिकता में बदलाव आयेगा और वे केवल नौकरी पर ध्यान केन्द्रित न करते हुए उद्यमिता को भी करियर विकल्प के रूप में स्वीकार करेंगे। एडीआईएफ के कार्यकारी निदेशक भूपिंदर जीत ने साझेदारी से विश्वविद्यालय को होने वाले लाभों के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि एडीआईएफ विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर में काम करने वाले शुरूआती चरण के स्टार्टअप को अपनी सेवाएं प्रदान करेगा तथा यह सुनिश्चित करेगा कि स्टार्टअप को आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सहयोग मिले।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

NEWS CLIPPING:03.09.2023

REPCO NEWS

चिकित्सा विशेषज्ञों ने जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के पौधारोपण अभियान में की भागीदारी

फरीदाबाद, 31 अगस्त (रेपको न्यूज़)। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने उद्देश्य से चलाये जा रहे पौधारोपण अभियान में स्थानीय मेट्रो अस्पताल फरीदाबाद के चिकित्सा निदेशक और वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज जैन हिस्सा लिया तथा विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.सुशील कुमार तोमर ने की।

डॉ. नीरज जैन ने प्रकृति और पर्यावरण को मानव शरीर से जोड़ते हुए कहा कि प्रकृति मानव शरीर की तरह काम करती है और कहा कि हमें अपने शरीर में किसी भी जटिलता को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि मानव शरीर का कोई भी अंग खराब हो जाता है, तो इसका प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है, उसी प्रकार यदि हम प्रकृति में मानवीय भूल को नजरअंदाज करेंगे, तो यह भविष्य में एक बड़ी समस्या को जन्म देगी।

डॉ. जैन ने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया और कहा कि ऐसी ही सतर्कता पर्यावरण के प्रति भी अपनानी चाहिए। उन्होंने बताया कि पर्यावरण के सामंजस्यपूर्ण संतुलन में किसी भी व्यवधान के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने विश्वविद्यालय की पर्यावरण पहल में योगदान देने पर डॉ. जैन का आभार व्यक्त किया।

पौधारोपण अभियान का आयोजन डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. मनीश वशिष्ठ की देखरेख तथा पर्यावरण विज्ञान विभाग की अध्यक्षा डॉ. रेणुका गुप्ता के संयोजन में डीएसडब्ल्यू एवं वसुंधरा ईको क्लब के सदस्यों द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंकुर गुप्ता भी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय में पौधारोपण अभियान का आयोजन दूसरे चरण के 'हरियाली पर्व' के अंतर्गत किया जा रहा है। इस अभियान में भाग लेने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विविध क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाता है।

NEWS CLIPPING:03.09.2023

HINDUSTAN

स्टार्टअप शुरू करने में सहयोग करेगी एडीआईएफ

- जेसी बोस व एडीआईएफ के बीच हुआ समझौता
- पाठ्यक्रम में बाजार के अनुरूप बदलाव जरूरी

फरीदाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। जेसी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्रों को स्टार्टअप करने में एलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन (एडीआईएफ) सहयोग करेगी। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन ने एडीआईएफ के साथ समझौता किया है।

विश्वविद्यालय में पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और विद्यार्थियों में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए यह समझौता किया है। एडीआईएफ भारतीय प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप की एक प्रतिनिधि संस्था है। समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में कुलसचिव डॉ. मेहा शर्मा और एडीआईएफ के कार्यकारी निदेशक भूपिंदर जीत ने हस्ताक्षर किये। कुलपति ने कहा कि शैक्षिक पाठ्यक्रम में बाजार की मांग के अनुरूप बदलाव लाने की आवश्यकता है और छात्रों को नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने के योग्य बनाना होगा। इस अवसर पर निदेशक डॉ. मनीषा गर्ग, डॉ. राजीव साहा, डॉ. रश्मी पोपली, डीआईएफ के सह निदेशक प्रतीक जैन आदि उपस्थित रहे।

NEWS CLIPPING:03.09.2023

AMAR UJALA

स्टार्टअप को आगे बढ़ाने में सहयोग देगा एडीआईएफ

फरीदाबाद। स्टार्टअप को मजबूत बनाने और विद्यार्थियों में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को जेसी बोस विज्ञान-एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने एलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन (एडीआईएफ) से एक समझौता किया है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. मेहा शर्मा और एडीआईएफ के कार्यकारी निदेशक भूपिंदर-जीत ने हस्ताक्षर किए।

नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय स्टार्टअप तेजी से विकसित हो रहा है। शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के शुरूआती प्रयास करीब दो दशक पहले शुरू किया गया था। जेसी बोस विश्वविद्यालय की ओर से स्टार्टअप एवं इनक्यूबेटर के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। इसके माध्यम से छात्रों के लिए नियमित रूप से कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर चर्चा करते हुए निदेशक (आरएंडडी) डॉ. मनीषा गर्ग ने छात्रों को प्रथम वर्ष से ही स्टार्टअप-संबंधित गतिविधियों में शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस मौके पर निदेशक (आरएंडडी) डॉ. मनीषा गर्ग, डॉ. राजीव साहा, डॉ. रश्मी पोपली, प्रभारी डॉ. संजीव गोयल एवं समन्वयक डॉ. सपना तनेजा उपस्थित थे। संवाद